विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

स्नातक संस्कृत प्रतिष्ठा / शोध

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (**NEP**) 2020 के आलोक में निर्मित
चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम **(FYUGP)**

सत्र 2022–26 से प्रभावी

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP)**2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम **(FYUGP)**

विषय सूची

<table>
<tr><td colspan="4">प्रथम समसत्र–व्याकरण</td></tr>
<tr><td colspan="4">SAN-MJ-1
संस्कृत व्याकरण–प्रथम</td></tr>
<tr><td colspan="4">द्वितीय समसत्र–व्याकरण</td></tr>
<tr><td colspan="2">SAN-MJ-2
संस्कृत व्याकरण–द्वितीय</td><td colspan="2">SAN-MJ-3
संस्कृत व्याकरण–तृतीय</td></tr>
<tr><td colspan="4">तृतीय समसत्र–काव्यशास्त्र</td></tr>
<tr><td colspan="2">SAN-MJ-4
काव्यशास्त्र–प्रथम</td><td colspan="2">SAN-MJ-5
काव्यशास्त्र एवं छंद–द्वितीय</td></tr>
<tr><td colspan="4">चतुर्थ समसत्र–दर्शन</td></tr>
<tr><td>SAN- MJ-6
भारतीय दर्शन
(आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन)
– प्रथम</td><td>SAN- MJ-7
भारतीय दर्शन
(न्याय एवं वैशेषिक) –द्वितीय</td><td colspan="2">SAN- MJ-8
गीता में आत्म–प्रबंधन</td></tr>
<tr><td colspan="4">पंचम समसत्र–वैदिक साहित्य</td></tr>
<tr><td>SAN- MJ-9
वैदिक साहित्य का
इतिहास एवं संवाद सूक्त</td><td>SAN- MJ-10
आख्यान एवं उपनिषद</td><td colspan="2">SAN- MJ-11
चयनित वैदिक सूक्त</td></tr>
<tr><td colspan="4">षष्ठ समसत्र–काव्य</td></tr>
<tr><td>SAN-MJ-12
संस्कृत श्रव्य काव्य
‘पद्य’
(उपजीव्य एवं महाकाव्य)</td><td>SAN-MJ-13
संस्कृत श्रव्य काव्य
‘पद्य’
(कालिदास विशिष्ट)</td><td>SAN-MJ-14
संस्कृत श्रव्य काव्य
‘गद्य’</td><td>SAN-MJ-15
संस्कृत दृश्य काव्य
‘नाटक’</td></tr>
</table>

सप्तम समसत्र– प्रतिष्ठा			
SAN-MJ-16 आचारशास्त्र	**SAN-MJ-17** भाषा विज्ञान	**SAN-MJ-18** भारतीय अभिलेख	**SAN-MJ-19** कौटिलीय अर्थशास्त्र
अष्टम समसत्र			
SAN-MJ-20 कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष	**SAN-AMJ-1**	**SAN-AMJ-2**	**SAN-AMJ-3**

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथम समसत्र

एवं

द्वितीय समसत्र

विषय –संस्कृत व्याकरण

	SAN - MJ-1 आधारभूत संस्कृत व्याकरण	
SAN - MJ-2 संस्कृत व्याकरण		**SAN - MJ-3** संस्कृत व्याकरण
(संज्ञा एवं संधि)	(कारक एवं समास)	

अध्ययन उद्देश्य(Objectives):

वेदाङ्ग के छ: अंगो में व्याकरण एक है। एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में संस्कृत का अध्ययन–अध्यापन इस तरह से होना चाहिए कि इसमें विद्यार्थियों का प्रवेश सरलता से हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सर्वप्रथम संस्कृत व्याकरण के उन उपादेय तत्त्वों को जानना जरूरी है, जिससे वे किसी भी संस्कृत रचना को भली भाँति समझने में सक्षम हो सकें।

अध्ययन अधिगम परिणाम(LOCF):

संस्कृत व्याकरण का अध्ययन सर्वथा छात्रोपयोगी है।
कहा भी गया है कि

यद्यपि बहु नाधीषे तथापि पठ पुत्र व्याकरणम्।
स्वजनो श्वजनो माऽभूतसकलं शकलं सकृत्शकृत्।।

इस रूप में व्याकरण का अध्ययन न केवल संस्कृत भाषा को शुद्ध रूप में जानने–समझने में सहायक होगा, अपितु प्रकारान्तर से इसके समुचित पठन–पाठन से विद्यार्थीगणों में संस्कृत की विशाल ज्ञान–राशि में विद्यमान भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित हो सकेगी।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथमसमसत्र

{प्रथमपत्र} [SAN - MJ-1]

आधारभूत संस्कृत व्याकरण

Credit 4–{15*4=60घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक 25(20लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. शब्द रूप
2. धातु रूप
3. अनुवाद
4. पाणिनीय शिक्षा

इकाई 1 : (8 L+3 T)

- शब्दरूप

  देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरुत्, आत्मन्, सर्व,तद्, एतद्, यद्, इदम् ,जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।

इकाई 2 : (8 L+ 3 T)

- धातुरूप

  लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में
  पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हू, दिव्, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव्।

इकाई 3 : (22 L+ 5 T)

- अनुवाद

  संस्कृत से हिंदी में अनुवाद (अपठित संस्कृत गद्यांश)
  हिंदी से संस्कृत में अनुवाद (अपठित हिंदी गद्यांश)

इकाई 4 : (7 L+4 T)

- पाणिनीय शिक्षा

अनुशंसित पुस्तकें:

- संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ? – (उमाकान्त मिश्र शास्त्री)
- रचनानुवादकौमुदी– (कपिलदेव द्विवेदी)
- संस्कृत सहचर– (आचार्य राधामोहन उपाध्याय)
- बृहद् अनुवाद चंद्रिका–चकधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री
- पाणिनीय शिक्षा –विद्यासागर डा. दामोदर महतो
- पाणिनीय शिक्षा –शिवराज आचार्य कौण्डिन्नयायन:

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में पाठ्य शब्दरूपों में से किन्हीं तीन शब्दों के दो विभक्तियों (कारकों) के तीनों वचनों के रूपों को लिखना अपेक्षित होगा। छ: शब्दरूप पूछे जाएँगे। **(3 x5 = 15)**
- पंचम प्रश्न में पाठ्य धातुओं में से किन्हीं तीन लकारों में तीन धातुओं के सभी रूपों को लिखना अपेक्षित होगा। छ: धातुरूप पूछे जाएँगे। **(3 x 5 = 15)**
- षष्ठ प्रश्न में एक अपठित संस्कृत गद्यांश का हिंदी अनुवाद अपेक्षित होगा। **(15)**
- सप्तम प्रश्न में एक अपठित हिंदी गद्यांश का संस्कृत अनुवाद अपेक्षित होगा। **(15)**
- अष्टम प्रश्न में पाणिनीय शिक्षा से संबंधित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **(15)**
- नवम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **(15)**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-		
	(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें।**(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथमसप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना मेंपरिवर्तन संभव है।

2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

द्वितीय समसत्र

{द्वितीय पत्र} [SAN - MJ-2]

संस्कृत व्याकरण

(संज्ञा एवं संधि)

Credit 4–{15*4=60घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक**75**+आंतरिक परीक्षा अंक **25**(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन)}

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – संज्ञा एवं संधि प्रकरण

इकाई 1 : (5L+3 T)

- प्रत्याहार , संज्ञा एवं परिभाषा सूत्र

इकाई 2 : (10 L+ 3 T)

- स्वर संधि

इकाई 3 : (15 L+4 T)

- व्यंजन संधि

इकाई 4 : (15 L+ 5 T)

- विसर्ग संधि

अनुशंसित पुस्तकें:

- लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्री धरानंद शास्त्री (मोतीलाल बनारसीदास)
- लघु सिद्धान्त कौमुदी चन्द्रिका–विजयमित्र शास्त्री (चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन)
- लघुसिद्धान्तकौमुदी–गोविन्दाचार्य
- लघुसिद्धान्तकौमुदी–महेश सिंह कुशवाहा

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में संज्ञा प्रकरण से तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। कुल छ: सूत्र पूछे जाएँगे। **(5 x 3 =15)**
- पंचम प्रश्न में अच् संधि प्रकरण के तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। कुल छ: सूत्र पूछे जाएँगे। **(5 x 3 =15)**
- षष्ठ प्रश्न में अच् संधि के तीन उदाहरणों की सूत्रोल्लेखपूर्वक संधि अपेक्षित है। कुल छ: उदाहरण पूछे जाएँगे। **(5 x 3 =15)**
- सप्तम प्रश्न में हल् संधि के तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। कुल छ: सूत्र पूछे जाएँगे। **(5x 3 =15)**
- अष्टम प्रश्न में हल् संधि के तीन उदाहरणों की सूत्रोल्लेखपूर्वक संधि अपेक्षित है। कुल छ: उदाहरण पूछे जाएँगे। **(5 x 3 =15)**
- विसर्ग संधि के तीन उदाहरणों का सूत्रोल्लेखपूर्वक संधि अपेक्षित है। कुल छः उदाहरण पूछे जाएँगे। **(5 x 3=15)**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति(NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

द्वितीय समसत्र

{तृतीय पत्र} [SAN - MJ-3]

संस्कृत व्याकरण

(कारक एवं समास)

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100 {मुख्य परीक्षा अंक75 + आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20 लिखित +5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन)}

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – कारक एवं समास प्रकरण

इकाई 1 : **(10 L+4 T)**

- कारक प्रकरणम्

इकाई 2 : **(8 L+4 T)**

- अव्ययीभाव समास

इकाई 3 : **(20 L+5 T)**

- तत्पुरुष समास

इकाई 4 : **(7 L+ 2 T)**

- बहुव्रीहि एवं द्वंद्व समास

अनुशंसित पुस्तकें:

- लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्री धरानंदशास्त्री (मोतीलाल बनारसीदास)
- लघुसिद्धान्तकौमुदी चन्द्रिका–विजयमित्र शास्त्री (चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन)
- लघुसिद्धान्तकौमुदी– गोविन्दाचार्य

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश :–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में कारक प्रकरण से तीन सूत्रों की व्याख्या अपेक्षित होगी,कुल छः सूत्र पूछे जाएँगें। **(5x3 =15)**
- पंचम प्रश्न में कारक प्रकरण से तीन उदाहरणों का सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति निर्देश अपेक्षित होगा। छ: उदाहरण पूछे जाएँगे। **(5x3 =15)**
- षष्ठ प्रश्न में अव्ययीभाव समास के तीन उदाहरणों(शब्दों) की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि करें। छ: उदाहरण पूछे जाएँगे। **(5x3 =15)**
- सप्तम प्रश्न में तत्पुरुष समास के तीन सूत्रों की व्याख्या अपेक्षित होगी,कुल छः सूत्र पूछे जाएँगें। **(5x3 =15)**
- अष्टम प्रश्न में तत्पुरुष समास के तीन उदाहरणों(पदों) की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि अपेक्षित होगी । छ: उदाहरण पूछे जाएँगे। **(5x3 =15)**
- नवम प्रश्न में बहुव्रीहि एवं द्वंद्व समास के तीन उदाहरणों की सिद्धि अपेक्षित होगी । छ: उदाहरण पूछे जाएँगे। **(5x3 =15)**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-		
	(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अश्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

तृतीय समसत्र

विषय –काव्यशास्त्र एवं छंद

SAN - MJ-4 काव्यशास्त्र– 1	**SAN - MJ-5** काव्यशास्त्र – 2

रीति, अलंकार एवं छंद

अध्ययन उद्देश्य (Objectives):

किसी भी काव्य–रचना के नियम निर्धारण के कियात्मक उद्देश्य से काव्यशास्त्र का उद्भव होता है। जिस प्रकार किसी भी भाषा–ज्ञान के लिए व्याकरण अपेक्षित है, उसी प्रकार किसी भी काव्य–रचना के अर्थज्ञान, सौन्दर्यबोध एवं रसास्वादन के लिए काव्यशास्त्र का। वेदों से लेकर राजशेखर ने 'काव्यमीमांसा'में इसे सप्तम वेदाङ्ग (. . . . . उपकारकत्वादलंकार: सप्तममङ्गम् दति यायावरीय:) एवं पंचम विद्या (पञ्चमीसाहित्य–विद्या, इति यायावरीय: 'साहिचतसृणामपिविद्यानां निश्यन्द:') माना है।

इस दृष्टि से स्नातक के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है कि आगामी सत्रों में संस्कृत गद्य–पद्य एवं नाट्य की प्रमुख रचनाओं का रसास्वादन करने के पूर्व चतुर्थ सत्र में भारतीय काव्यशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं का परिचय प्राप्त कर लें।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

संस्कृत काव्यशास्त्र के अध्येता के रूप में चतुर्थ सत्र के विद्यार्थी किसी भी काव्य रचना के पीछे के प्रयोजन, काव्य निर्माण के उपादान हेतु, काव्य की शब्द–शक्तियों, काव्य में विद्यमान महत्वपूर्ण रसों, अलंकारों एवं छंदों (छन्द:पादौ तु वेदस्य) के विषय में मूलभूत जानकारी प्राप्त करते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

तृतीय समसत्र

{चतुर्थ पत्र} [SAN - MJ-4]

संस्कृत काव्यशास्त्र –1

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति / संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. काव्यदीपिका – प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं षष्ठ शिखा

इकाई 1 : (2 L+ 1 T)

- काव्य प्रयोजन एवं काव्य लक्षण

इकाई 2 : (8 L +3T)

- वाक्य स्वरूप, शब्द एवं अर्थ विभाग,

इकाई 3 : (21 L+ 5 T)

- काव्यभेद, रसनिरूपण एवं रसभेद

इकाई 4 : (14 L+ 3 T)

- गुणस्वरूप एवं गुणविभाग

अनुशंसित पुस्तकें:–

श्री कान्तिचंद्र भट्टाचार्य संकलित 'काव्यदीपिका'– व्याख्याकार डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

श्री कान्तिचंद्र भट्टाचार्य संकलित 'काव्यदीपिका'– व्याख्याकार पण्डित श्री रामगोविन्द शुक्ल

संदर्भ पुस्तकें:–

श्री मम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वर, संपादक डा. नगेन्द्र

श्री मम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–संपादक डा. श्रीनिवास शास्त्री

श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीत: साहित्यदर्पण:–व्याख्याकार डॉ0 सत्यव्रत सिंह

श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीत: साहित्यदर्पण: (1–6 परिच्छेद) –आचार्य लोकमणिदाहाल: डा. त्रिलोकीनाथ द्विवेदी,(7–10 परिच्छेद) –आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियों के उत्तर देय होंगे। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': **(10 x 1 = 10)**

- प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा।

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 2	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

तृतीय समसत्र

{पंचम पत्र} [MJ-5]

काव्यशास्त्र– 2

(रीति, अलंकार एवं छंद)

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. काव्यदीपिका –सप्तम एवं अष्टम शिखा
2. छन्दोमंजरी

इकाई 1 : (2 L+ 1 T)

- रीतिस्वरूप एवं रीति लक्षण

इकाई 2 : (4 L+ 2 T)

- शब्दालंकार
  (अनुप्रास, यमक, श्लेष)

इकाई 3 : (19 L+ 4 T)

- अर्थालंकार
  स्वभावोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, समासोक्ति, निदर्शना, दृष्टान्त, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, संकर, संसृष्टि, अपह्नुति, अर्थान्तरन्यास

इकाई 4 : (20 L+ 4 T)

- छंद
  अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, वसंततिलका, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी, हरिणी, स्रग्धरा, द्रुतविलम्बित, पुष्पिताग्रा, आर्या

अनुशंसित पाठ्य पुस्तकें:–

काव्यदीपिका– श्री कान्तिचंद्र भट्टाचार्य संकलित व्याख्याकार डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
छन्दोमञ्जरी– डा. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
छन्दोमञ्जरी– डा. परमेश्वरदीन पाण्डेय

संदर्भ पुस्तकें:–

श्रीमम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वर, संपादक डा. नगेन्द्र
श्री मम्मटाचार्य विरचित काव्यप्रकाश–संपादक डा. श्रीनिवास शास्त्री
श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीत: साहित्यदर्पण:–व्याख्याकार डा. सत्यव्रत सिंह
श्री विश्वनाथ कविराज प्रणीत:साहित्यदर्पण: (1–6 परिच्छेद) –आचार्य लोकमणिदाहाल: डा. त्रिलोकीनाथ द्विवेदी, (7–10 परिच्छेद) –आचार्यशिवप्रसाद द्विवेदी
वृत्तरत्नाकरम्–श्री धरानन्द शास्त्री

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में 6 अलंकार दिए जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन अलंकारों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। **(5x 3 = 15)**
- पंचम प्रश्न में 6 छंद दिए जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन छंदों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित होगी। **(5x 3 = 15)**
- षष्ठ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **(5x 3 = 15)**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 एवं इकाई–3 में उल्लिखित अलंकारों में परस्पर अंतर से संबंधित 4 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 1 एवं नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक–एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15** एवं**15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 3	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 2	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 3	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 3	नवम सप्ताह	इकाई– 4	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

चतुर्थ समसत्र

विषय –भारतीय दर्शन

SAN - MJ-6	SAN - MJ-7	SAN - MJ-8
भारतीय दर्शन (आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन)	भारतीय दर्शन (मीमांसा, न्याय एवं वैशेषिक)	गीता में आत्म–प्रबंधन

अध्ययन उद्देश्य(Objectives)

मानव मस्तिष्क के इतिहास में भारतीय दार्शनिक विचारधारा कभी अव्यवहारिक नहीं हो सकती है। संपूर्ण संसार में बौद्धिक दर्शन की ऐसी कोई भी ऊँचाई नहीं है, जहाँ तक भारतीय दार्शनिक विचारधारा की पहुँच नहीं है, चाहे वह बौद्धों का विलक्षण मनोवैज्ञानिक विश्लेषण हो या शंकर का विस्मय विमुग्धकारी दर्शन। चतुर्थ सत्र के तीन पत्रों के पाठ्यक्रम में भारतीय दर्शन के सभी प्रमुख मतवादियों के उन महत्वपूर्ण बिंदुओं को सम्मिलित किया गया है, जिससे इस विषय से सर्वथा अनभिज्ञ विद्यार्थीगणों को कुछ ज्ञान प्राप्त हो सके और जहाँ तक संभव हो, उनके अंदर इसक प्रति रुचि जागृत हो सके।

तृतीय पत्र 'गीता के आत्मप्रबंधन' में गीता के उन महत्त्वपूर्ण श्लोकों का अध्ययन करना है, जिसके माध्यम से मनुष्य दैनन्दिन जीवन में आत्मप्रबंधन करने में सक्षम हो सकता है। सार्वभौमिक ग्रंथ गीता सदा से समस्त मानव जाति के मानसिक द्वंदों का निवारण कर उन्हें उचित दिशानिर्देश द्वारा जीवन पथ पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहा है और इस उद्देश्य पूर्ति के लिए यह पाठ्यक्रम सर्वथा उपयुक्त है।

अध्ययन अधिगम परिणाम(LOCF)–

दर्शन के पाठ्यक्रम का अनुशीलन करके छात्र समझ पाते हैं कि

- वट–बीजन्याय की तरह संसार और कर्म की गति में अनादि संबंध है। ये दोनों स्वयं अनादि हैं।
- जीवन तथा दर्शन इन दोनों का चरम लक्ष्य एक ही है। उस परमतत्त्व की प्राप्ति के लिए 'दर्शन' सैद्धांतिक तथा 'जीवन' व्यावहारिक रूप है। दोनों में परस्पर एक घनिष्ठ संबंध है जिसके समझने से आनंद प्राप्त होता है।
- सभी दर्शन एक ही उद्देश्य से अर्थात् दुख की चरम निवृत्ति या परमानंद की प्राप्ति के लिए ही प्रवृत्त होते हैं अतएव एक ही मार्ग के सभी पथिक हैं। दृष्टिकोण के भेद से परस्पर भेद होना स्वाभाविक है, किंतु इनमें परस्पर वैमनस्य नहीं है।
- आत्मप्रबंधन हेतु गीता के पाठ्यांश समस्त मानसिक द्वंद्वों का निवारण करते हुए 'स्थितोऽस्मिगतसन्देह: करिष्ये वचनं तव' सदृशस्थितप्रज्ञ होने का रास्ता प्रशस्त करते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

चतुर्थ समसत्र

{षष्ठ पत्र} [SAN - MJ-6]

भारतीय दर्शन

(आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन)

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटे

पाठ्यक्रम–

1. नास्तिक दर्शन एवं आस्तिक दर्शन

नास्तिक दर्शन

इकाई 1 : (18 L+ 5 T)

- चार्वाक् दर्शन के मूलतत्त्व (प्रमाण विचार, अनीश्वरवाद आदि)
- जैनदर्शन के मूलतत्त्व(प्रमाणविचार, अहिंसा, त्रिरत्न, पुद्गल, अनेकान्तवाद, स्यादवाद, अनीश्वरवाद आदि)
- बौद्ध दर्शन के मूलतत्त्व (चार आर्यसत्य, अष्टांगमार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद, अनीश्वरवाद आदि)

आस्तिक दर्शन

इकाई 2 : (10 L+ 3 T)

- सांख्य दर्शन के मूलतत्त्व (प्रमाण विचार, प्रकृति व गुण, पुरुष या आत्मा, सत्कार्यवाद, जगत की सृष्टि या विकास, मोक्ष, ईश्वर आदि)

इकाई 3 : (11 L+ 4 T)

- अद्वैत वेदान्त दर्शन के मूलतत्त्व (जगत विचार, जीव विचार, ब्रह्म विचार, अविद्या या अध्यास अथवा माया, तत् त्वम् असि, मोक्ष विचार, ईश्वर विचार, विवर्तवाद आदि)

इकाई 4 : (6 L+ 3 T)

योगदर्शन के मूलतत्त्व (अष्टांग साधन, ईश्वर की अवधारणा आदि)

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. भारतीय दर्शन–चटर्जी एवं दत्त
2. भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण–प्रो. संगमलाल पांडेय
3. भारतीय दर्शन–चन्द्रधर शर्मा आलोचन एवं अनुशीलन
4. भारतीय दर्शन–उमेश मिश्र
5. भारतीय दर्शन की रूपरेखा –प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
6. भारतीय दर्शन– डा. राधाकृष्णन

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्त्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियों के उत्तर देय होंगे। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्य योजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीयशिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम निर्मित (FYUGP)

चतुर्थ समसत्र

{सप्तम पत्र} [SAN - MJ-7]

भारतीय दर्शन

(मीमांसा, न्याय एवं वैशेषिक)

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति / संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. मीमांसा,न्याय,वैशेषिक दर्शन एवं तर्कसंग्रह

इकाई 1 : (7 L+ 2 T)

- मीमांसा दर्शन के मूल तत्त्व (प्रमाणविचार , तत्त्वविचार , धर्म विचार)

इकाई 2 : (9 L+4 T)

- न्याय दर्शन के मूल तत्त्व (षोडश पदार्थ, प्रमाण विचार, ईश्वर का अस्तित्व , मोक्ष विचार)

इकाई 3 : (7 L+3 T)

- वैशेषिक दर्शन के मूल तत्त्व (पदार्थविचार, सृष्टिविचार, परमाणुवाद)

इकाई 4 : (22 L+ 6T)

- तर्कसंग्रह (पदार्थ, प्रमाण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द)

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. भारतीय दर्शन–चटर्जी एवं दत्त
2. भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण–प्रो. संगमलाल पांडेय
3. भारतीय दर्शन–चन्द्रधर शर्मा आलोचन एवं अनुशीलन
4. भारतीय दर्शन–उमेश मिश्र
5. भारतीय दर्शन की रूपरेखा –प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
6. तर्कसंग्रह–व्याख्याकार रामभजन शर्मा वात्स्यायन
7. तर्कसंग्रह–व्याख्याकार तारिणीश झा
8. तर्कसंग्रह–व्याख्याकार कांशीराम एवं सन्ध्या राठौड़

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1x5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2. 5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई– 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप **'बी' :** ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियों के उत्तर देय होंगे। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

चतुर्थ समसत्र

{अष्टम पत्र} [SAN - MJ-8]

गीता में आत्मप्रबंधन

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान(L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}
पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक 25 (20लिखित + 5 उपस्थिति / संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }
उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)
अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटे

पाठ्यक्रम–

1. श्रीमद्भगवद् गीता

इकाई 1 : गीता : संज्ञानात्मक एवं भावात्मक उपकरण (9 L+ 3 T)

- इन्द्रिय, मन, बुद्धि एवं आत्मा का पदानुक्रम (III.42;XV.7)
- प्रकृति के उत्पाद के रूप में मन (VII.4)
- त्रिगुणधर्म एवं मन पर उसका प्रभाव (XIII.5-6; XIV.5-8,11-13; XIV. 17)

इकाई 2 : गीता : मन का नियंत्रण (10 L+4 T)

- संशय एवं आचरण, द्वंद्व का स्वभाव (I.1; I.45; II.6; IV.16)
- नैमित्तिक तत्त्व–अज्ञान(II.41), इन्द्रिय (II.60), मन (II.67), रजोगुण (III.36-39; XVI.21), मानसिक दुर्बलता (II.3; IV.5)

इकाई 3 : गीता : संशय निवारण का साधन (18 L+5 T)

- ज्ञान का महत्त्व (II.52; IV.38-39)
- बुद्धि की स्पष्टता (XVII . 30-32)
- निर्णय करने की प्रक्रिया (XVIII . 63)
- इन्द्रिय नियंत्रण (II.59,64)
- कर्तृभाव समर्पण (XVIII.13-16; V.8-9)
- इच्छाहीनता (II.48; II.55)

इकाई 4 : गीता : कर्तव्यनिष्ठा के द्वारा आत्म–प्रबंधन (8 L+3 T)

- अहंभाव समर्पण (II.7; II.47; VIII.7; IX.27; XI.55)
- तुच्छ वाद–विवाद का त्याग करना (IV.11; VII.21; IX.26)
- नैतिक गुणों का ग्रहण (XII.11; XII.13-19)

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. गीता में आत्म–प्रबंधन– डा. दीपक कालिया
2. गीता में आत्म–प्रबंधन– डा. विनोद कुमार
3. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य और कर्मयोगशास्त्र –बालगंगाधरतिलक

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतुनिर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1x5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई – 3 एवं इकाई– 4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी':ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

पंचम समसत्र

विषय –वैदिक साहित्य

SAN - MJ-9 वैदिक साहित्य का इतिहास	**SAN - MJ-10** आख्यान एवं उपनिषद	**SAN - MJ-11** चयनित वैदिक सूक्त एवं संवाद सूक्त

अध्ययन उद्देश्य(Objectives):

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का वैदिक साहित्य से सामान्य परिचय करवाना है। वेद भारतीय संस्कृति की आत्मा है तथा मानव जाति के लिए प्रकाश स्तंभ है। वेद ही विश्व शांति, विश्व बंधुत्व और विश्व कल्याण के प्रथम उद्घोषक हैं। इसमें ज्ञान और विज्ञान की सभी विधाओं का सूत्र रूप में उल्लेख है, अतएव मनु का कथन है–

- 'सर्वज्ञानमयो हि स:'
- 'वेदोऽखिलो धर्ममूलम्' मनुस्मृति (2.6)

अध्येता वेद रूपी ज्ञान महोदधि में जितनी गहराई तक जाएंगे, उतनी ही बहुमूल्य रत्न प्राप्त करने की संभावना होगी। सर्वोपरि, वेदों से हमारे देश में ऐसे आधारभूत मूल्यों की स्थापना हुई है, जो आज भी सांस्कृतिक एकता के आधार हो सकते हैं।

अध्ययन अधिगम परिणाम(LOCF):

वैदिक शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, कार्यक्षमता में वृद्धि ही नहीं होती, भारतीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति भी वे सचेत होते हैं। इससे छात्र–छात्राएँ समृद्ध शिक्षा परंपराओं को आत्मसात करते हैं। जीवन में सक्षम होने के लिए वैदिक और सांस्कृतिक शिक्षा के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता है। वैदिक शिक्षा के सिद्धांतों को शिक्षा में जोड़ कर कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को भी साकार किया जा सकेगा।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

पंचम समसत्र

{नवम पत्र} [SAN - MJ-09]

वैदिक साहित्य का इतिहास

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25 (20लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : (12 L+4 T)

- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य में अंतर,
  संहिताओं (ऋग्वेद,यजुर्वेद,सामवेद,अथर्ववेद) का सामान्य परिचय)

इकाई 2 : (9 L+4 T)

- ब्राह्मण; आरण्यक एवं उपनिषद् के सामान्य लक्षण एवं विशेषताएँ

इकाई 3 : (14 L+4 T)

- वैदिक यज्ञ–
  हविर्याग (अग्निहोत्र, दर्श–पूर्णमास, आग्रयण इष्टि, पशुबन्ध, सौत्रामणि, पितृयज्ञ)
  सोमयाग (अग्निष्टोम, वाजपेय, राजसूय, अश्वमेध)
  पंचमहायज्ञ (ब्रह्म यज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, बलिवैश्वेदेव यज्ञ, अतिथि यज्ञ)

इकाई 4 : (10 L+3 T)

- वेदाङ्ग का सामान्य परिचय
  शिक्षा ; कल्प ; व्याकरण ; निरूक्त ; छन्द ; ज्योतिष

अनुशंसित पुस्तकें:–

- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– डा. कपिलदेव द्विवेदी
- वैदिक साहित्य और संस्कृति–वाचस्पति गैरोला
- वैदिक साहित्य का इतिहास–श्री गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर
- वैदिक साहित्य का इतिहास–जयदेव वेदालंकार
- वैदिक इन्डेक्स–मैकडोनेल और कीथ (रामकुमार राय)
- वैदिक साहित्य का इतिहास–आचार्य शेषराज शर्मा
- वैदिक साहित्य का इतिहास–पं. पारसनाथ द्विवेदी
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा –प्रो. हंसराज अग्रवाल

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतुनिर्देश :-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई– 2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई– 3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई– 4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022– 2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

पंचम समसत्र

{दशम पत्र} [SAN - MJ-10]

आख्यान एवं उपनिषद

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्
2. कठोपनिषद्
3. ईशावास्योपनिषद्
4. तैत्तिरीयोपनिषद्

इकाई 1 : (10 L+ 2 T)

- हरिश्चंद्रोपाख्यान

इकाई 2 : (16 L+5 T)

- कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय –तीनों वल्ली)

इकाई 3 : (10 L+4 T)

- ईशावास्योपनिषद् (1– 11 मंत्र)

इकाई 4 : (9 L+4 T)

- तैत्तिरीयोपनिषद् (ब्रह्मानन्द वल्ली–प्रथम अनुवाक्)

अनुशंसित पुस्तकें:

- हरिश्चन्द्रोपाख्यान– डा. उमाशंकर शर्मा'ऋषि'
- कठोपनिषद–आचार्य डा. सुरेन्द्रदेव शास्त्री
- कठोपनिषद–श्री कीर्त्यानन्द झा
- कठोपनिषद–राजमणि पांडेय
- ईशावास्योपनिषद– डा. उर्मिला श्रीवास्तव
- तैत्तिरीयोपनिषद–व्याख्याकार स्वामी त्रिभुवन दास
- तैत्तिरीयोपनिषद–श्री सुरेश्वराचार्य (अनुवादक –राधेश्याम शास्त्री)
- ईशादिनौपनिषद् – गीता प्रेस,गोरखपुर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्त्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

पंचम समसत्र

{एकादश पत्र} **[SAN - MJ-11]**

चयनित वैदिक सूक्त

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. ऋग्वेद
2. यजुर्वेद
3. अथर्ववेद
4. संवाद सूक्त

इकाई 1 : (18 L+ 4 T)

- ऋग्वेद
  अग्निसूक्त (1.1); हिरण्यगर्भ (10.121); नासदीय (10.129); वाक् (10.125)

इकाई 2 : (10 L+4 T)

- शुक्ल यजुर्वेद
  प्रजापति सूक्त **(XXXII-1-5)**

इकाई 3 : (7 L+3 T)

- अथर्ववेद
  पृथ्वीसूक्त (12.1)

इकाई 4 : (10 L+4 T)

- संवाद सूक्त–
  पुरुरवा–उर्वशी संवाद; विश्वामित्र–नदी संवाद ; यम–यमी संवाद; सरमा–पणि संवाद।

अनुशंसित पुस्तक:–

- **THE NEW VEDIC SEECTION -TELANG & CHAUBEY**

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1x5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें।**(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम मेंशिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

षष्ठ समसत्र

विषय –संस्कृत काव्य

SAN - MJ-12	SAN - MJ-13	SAN - MJ-14
संस्कृत श्रव्य काव्य 'पद्य' (उपजीव्य काव्य एवं महाकाव्य)	संस्कृत श्रव्य काव्य 'पद्य' (कालिदास विशिष्ट)	संस्कृत श्रव्य काव्य 'गद्य'
	SAN - MJ-15 संस्कृत दृश्य काव्य –'नाटक'	

अध्ययन उद्देश्य(Objectives) :

यदि किसी देश का साहित्य उसकी संस्कृति का परिचायक है, तो संस्कृत साहित्य के अध्ययन का उद्देश्य प्रकारान्तर से भारतीय संस्कृति की अन्तरात्मा को समझने का प्रयास है।

विश्व के प्रत्येक साहित्य में प्रतिभा संपन्न कवियों के कतिपय ऐसे प्रभावशाली काव्य हुआ करते हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर परवर्ती कवि अपनी काव्य रचना करते रहे हैं। ऐसे प्रभावशाली काव्य को उपजीव्य या आधारभूत काव्य कहते हैं। भारतीय रचनाकारों को काव्य लेखन की समुज्ज्वल दृष्टि देने वाली ऐसी ही महत्वपूर्ण रचनाएँ आदिकाव्य रामायण व महाभारत हैं।

शास्त्रीय संस्कृत साहित्य की तीनों ही विधाओं (गद्य, पद्य एवं नाटकों) में काव्य रचना की पूर्ण प्रेरणा प्रदान करनेवाले इन आधारभूत ग्रन्थों एवं उनसे प्रेरित महाकाव्यों व नाटकों को पढने का तात्पर्य संस्कृत वाङ्मय के माध्यम से अपने गौरवशाली सांस्कृतिक अतीत से परिचित होना है।

अध्ययन अधिगमपरिणाम(LOCF):

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों का परिचय शास्त्रीय संस्कृत साहित्य की तीन सर्वप्रमुख विधाओं (पद्य, गद्य एवं नाटक) के रचयिता कालिदास, माघ, भारवि, बाणभट्ट व भास सदृश विद्वानों के बौद्धिक उत्कर्ष से होता है । इन तीनों प्रमुख विधाओं में प्रज्ञा की उर्वरता से रचित संस्कृत साहित्य वस्तुत: प्राचीन भारत के आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक, व्यावहारिक एवं राजनीतिक जीवन का ज्वलन्त चित्रण है, इसलिए इन काव्यों के अध्ययन के जरिए छात्र–छात्राओं में प्रतिभा, महत्वपूर्ण चिंतन, मनन, रचनात्मकता और विचार का प्रसार होता है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

षष्ठ समसत्र

द्वादश पत्र [SAN - MJ-12]

संस्कृत श्रव्य काव्य –'पद्य'

(उपजीव्य काव्य एवं महाकाव्य)

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25 (20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. रामायण
2. महाभारत
3. किरातार्जुनीयम्
4. शिशुपालवधम्

इकाई 1 : (10 L+ 4 T)

- उपजीव्य काव्य (आदिकाव्य रामायण एवं महाभारत)
  विषयवस्तु , तत्कालीन समाज, परवर्त्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्त्रोत, साहित्यिक महत्व , आख्यान

इकाई 2 : (10 L+ 4 T)

- महाकाव्य का लक्षण, संस्कृत के महाकाव्यों का परिचय

इकाई 3 : (10 L+3 T)

- किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग)

इकाई 4 : (10 L+ 4 T)

- शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग– श्लोक 1–30)

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- संस्कृत वांग्मय का विवेचनात्मक इतिहास – डॉ0 सुर्यकान्त
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –आचार्य बलदेव उपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास–विन्टरनित्स कृत अनुवादक एवं परिवर्धक सुभद्र झा
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–आचार्य कपिलदेव द्विवेदी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –वाचस्पति गैरोला
- किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग) –व्याख्याकार समीर शर्मा
- किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग) –वेणीमाधव सदाशिव शास्त्री
- शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) –श्री रामजीलाल शर्मा
- शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) –आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई– 1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष :–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

षष्ठ समसत्र

त्रयोदश पत्र [SAN - MJ-13]

संस्कृत श्रव्य काव्य –'पद्य'

(कालिदास विशिष्ट)

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. मेघदूतम्
2. रघुवंशम्
3. कुमारसंभवम्

इकाई 1 : (6 L+2 T)

- उपमा कालिदासस्य, गीतिकाव्य :स्वरूप, उत्पत्ति एवं विकास

इकाई 2 : (16 L+5 T)

- पूर्वमेघ (श्लोक– 1–25)

इकाई 3 : (13 L+ 4 T)

- रघुवंशम् (प्रथम सर्ग– श्लोक 1–25)

इकाई 4 : (10 L+4 T)

- कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग– श्लोक 1–25)

अनुशंसित पुस्तकें:–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – विन्टरनित्स कृत अनुवादक एवं परिवर्धक सुभद्र झा
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – आचार्य कपिलदेव द्विवेदी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –वाचस्पति गैरोला
- मेघदूतम् एक अनुचिन्तन – डॉ0 रंजन सूरी देव
- मेघदूतम् – डा. विश्वनाथ झा
- पूर्वमेघ – आचार्य श्री शेषराज शर्मा रेग्मी:
- पूर्वमेघ–आचार्य रामकृष्ण आचार्य
- रघुवंश महाकाव्यम् (1–5) –हिन्दी टीकाकार श्री ब्रह्मशंकर मिश्र
- रघुवंश महाकाव्यम्– आचार्य धारादत्त मिश्र
- कुमारसंभवम् (पञ्चम सर्ग) – डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- कुमारसंभवम् –पं. परमेश्वरदीन पांडेय

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:– विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

षष्ठ सत्र

चतुर्दश पत्र [SAN - MJ-14]

संस्कृत श्रव्य काव्य

'गद्य'

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक 25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. गद्य काव्य(शिवराजविजय एवं कादम्बरी)

इकाई 1 : (6 L+ 4 T)

- गद्य की उत्पत्ति एवं विकास, कथा एवं आख्यायिका, 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति', संस्कृत गद्यकाव्य की विशिष्टता

इकाई 2 : (8 L+3 T)

- प्रमुख गद्यकार वैशिष्ट्य, सुबन्धु ,बाणभट्ट ,दण्डी ।

इकाई 3 : (16 L+ 4 T)

- शिवराजविजय (प्रथम नि:श्वास)

इकाई 4 : (15 L+ 4 T)

- शुकनासोपदेश (कादम्बरी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास –आचार्यबलदेवउपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास –वाचस्पति गैरोला
- महाकवि श्रीमद् अम्बिकादत्तव्यासप्रणीत: 'शिवराजविजय' (प्रथम: निश्वास:) – डा. रमाशंङ्कर मिश्र
- महाकविश्रीमद्अम्बिकादत्तव्यासरचित'शिवराजविजयमहाकाव्यम्'(प्रथमो विराम:) – डा. विजयशंकर चौबे
- कादम्बरी–शुकनासोपदेश:–पं. रमाकान्त झा एवं पं. हरिहर झा
- कादम्बरी–शुकनासोपदेश:–व्याख्याकार: रामपाल शास्त्री

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं इकाई– 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों का उत्तर देय होगा। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप'बी':ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 3	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

षष्ठ समसत्र

पंचदश पत्र **[SAN - MJ-15]**

संस्कृत दृश्य काव्य –'नाटक'

Credit 4 – {15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. नाट्यशास्त्र : स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्

इकाई 1 : **(8 L+3 T)**

- नाट्यशास्त्र का इतिहास, उत्पत्ति एवं विकास, प्रमुख नाटककार

इकाई 2 : **(13 L+5 T)**

- नाटक, नायक, विदूषक, कंचुकी, अङ्क, प्रस्तावना, पताकास्थान, विष्कम्भक, प्रवेशक, नाटक में प्रयुक्त होनेवाले संकेत (प्रकाश, स्वगत, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित)

इकाई 3 : **(10 L+ 3 T)**

- स्वप्नवासवदत्तम् (पंचम अंक)

इकाई 4 : **(14 L+4 T)**

- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u> :–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
- श्री कान्तिचंद्रभट्टाचार्य संकलित'काव्यदीपिका'(चतुर्थ शिखा)–व्याख्याकार डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- श्री कान्तिचंद्रभट्टाचार्य संकलित'काव्यदीपिका'(चतुर्थ शिखा)–व्याख्याकार पण्डितश्रीरामगोविन्द शुक्ल
- महाकवि भास प्रणीतं 'स्वप्नवासवदत्तम्' (पंचम अंक) –आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी'
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)– डा. कपिलदेव द्विवेदी
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)– डा. सुधाकर मालवीय
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)– डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)– डा. वेदप्रकाश शास्त्री

<u>संदर्भ पुस्तकें</u>:–

दशरूपक– डा. भोलाशंकर व्यास

दशरूपक– डा. केशवराव मुसलगाँवकर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी':ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सप्तम समसत्र

SAN - MJ-16
आचारशास्त्र

SAN - MJ-17
भाषा विज्ञान

SAN - MJ-18
भारतीय अभिलेख

SAN - MJ-19
कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

सप्तम समसत्र

षोडश पत्र **[SAN - MJ-16]**

आचारशास्त्र

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

जीवात्मा के कर्त्तव्यबोध की अभिव्यक्ति वेद है। मनु एवं याज्ञवल्क्य सदृश महर्षियों ने वैदिक विज्ञान को सर्व–साधारणोपयोगी बनाने के लिए धर्मशास्त्रों का निर्माण किया। वैदिक ज्ञान की स्मृति होने के कारण ही इसे 'स्मृति ' शब्द से अभिहित करते हैं–

धर्मशास्त्रन्तु वै स्मृतिः– मनु० 2.10

भारतीय आधारभूत व्यापक जीवनानुभव की उदात्त भावनाओं एवं सुनिश्चित व्यवस्थित व्यवस्थाओं की ओर शिक्षार्थी का ध्यानाकर्षण इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थीगण अपने अतीत के चिंतन–वैभव के गौरव की अनुभूति के साथ ही आज के अपने आचार–विचारों के मूल उत्स का परिचय प्राप्त कर पाते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

षोडश पत्र **[SAN - MJ-16]**

आचारशास्त्र

Credit 4–{15*4=60 घंटे [व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}
पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }
उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)
अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम –

1. मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्यस्मृति

इकाई 1 : **(11 L+4T)**

- मनुस्मृति (प्रथम अध्याय)

इकाई 2 : **(12 L+4 T)**

- मनुस्मृति (सप्तम अध्याय)

इकाई 3 : **(10 L+ 3 T)**

- याज्ञवल्क्यस्मृति (आचार अध्याय)
  उपोद्घात प्रकरण, ब्रह्मचारि प्रकरण, विवाह प्रकरण, गृहस्थधर्म प्रकरण, भक्ष्याभक्ष्य प्रकरण, राजधर्म प्रकरण

इकाई 4 : **(12 L+4 T)**

- याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहार अध्याय)
  साधारणव्यवहारमातृका प्रकरण, असाधारणव्यवहारमातृका प्रकरण, साक्षि प्रकरण, दायविभाग प्रकरण ,साहस प्रकरण

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- मनुस्मृति–शिवराज आचार्य
- मनुस्मृति–सुरेन्द्रनाथ सक्सेना
- मनुस्मृति– पं.रामेश्वर भट्ट
- मनुस्मृति (प्रथम –द्वितीयाध्याय:) – डा. गजाननशास्त्री 'मुसलगाँवकर'
- याज्ञवल्क्यस्मृति–उमेशचन्द्र पांडेय
- याज्ञवल्क्यस्मृति–पं. थानेशचन्द्र उप्रैति

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों का उत्तर देय होगा। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों का उत्तर देय होगा। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देय होगा। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश :-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप'बी':ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सप्तम समसत्र

सप्तदश पत्र **[SAN - MJ-17]**

भाषाविज्ञान

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

व्याकरण भाषा–संबंधी 'क्या या किम् का उत्तर देता है' जबकि भाषाविज्ञान इससे आगे जाकर 'क्यों या कथम्' का उत्तर देता है। व्याकरण का संबंध एक भाषा से है और भाषाविज्ञान का अनेक भाषाओं से। इस रूप में भाषाविज्ञान का क्षेत्र व्याकरण की तुलना में व्यापक है, जिसकी विस्तृत जानकारी संस्कृत भाषा के अध्येता के लिए अपरिहार्य है। प्रागैतिहासिक काल की संस्कृति के ज्ञान का साधन के रूप में, व्याकरण के नियमों के दार्शनिक आधार के निरूपण में, अनुवाद, पाठ संशोधन, अर्थ–निर्णय में और वाक् चिकित्सा के साधन के रूप में भाषाविज्ञान का अध्ययन सर्वथा उपयोगी है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

- भाषा विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थियों का दृष्टिकोण विज्ञानमूलक हो जाता है और वह प्रत्येक वस्तु के तत्त्वदर्शन की ओर अग्रसर होता है।
- यह ज्ञात होते ही कि संस्कृत भी उसी परिवार की भाषा है, जिस परिवार के अंग लैटिन, ग्रीक, जर्मन, फ्रेंच, रूसी, अवेस्ता, फारसी आदि भाषाएँ हैं, वे व्यापक दृष्टिकोण को स्वीकृत कर विश्व–बंधुत्व की भावना से प्रेरित होते हैं।
- भाषाविज्ञान की अनेक विधाएँ ऐसी हैं, जिससे वह अन्य विज्ञानों से निकटतम संपर्क रखता है। विद्यार्थी पढने के क्रम में व्याकरण, साहित्य, मनोविज्ञान, शरीरविज्ञान, भूगोल, इतिहास, भौतिक विज्ञान आदि विषयों से सामान्यत: स्वत: परिचित हो जाता है। इस रूप में अंत:विषयक अध्ययन करने में भी यह उनका सहायक है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

सप्तदश पत्र **[SAN - MJ-17]**

भाषा विज्ञान

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. भाषाविज्ञान

इकाई 1 : **(7L+2 T)**

- भाषा की परिभाषा एवं उत्पत्ति, भाषा की विशेषताएँ, भाषा एवं वाक् में अंतर, भाषा एवं बोली में अंतर

इकाई 2 : **(16L+5 T)**

- भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक),

इकाई 3 : **(12L+ 4 T)**

- ध्वनिविज्ञान

इकाई 4 : **(10L+4 T)**

- वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान
  वाक्य के अनिवार्य तत्त्व (आकांक्षा, योग्यता और संनिधि), वाक्य के प्रकार (कर्तृ, कर्म और भाववाच्य), वाक्य के अवयव (उद्देश्य व विधेय), वाक्य के भेद,
  अर्थ के प्रकार, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र –डा. कपिलदेव द्विवेदी
- भाषाविज्ञान की भूमिका– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा व दीप्ति शर्मा
- भाषाविज्ञान– डा. भोलानाथ तिवारी
- भाषाविज्ञान– डा. शिवबालक द्विवेदी
- तुलनात्मक भाषाविज्ञान– डा. पाण्डुरंग दामोदर गुणे
- सामान्य भाषाविज्ञान– डा. बाबूराम सक्सेना
- भाषाविज्ञान– डा. श्यामसुन्दर दास
- अद्यतन भाषाविज्ञान–पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
- भाषाविज्ञान समीक्षा –हेमदेव शर्मा

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई–4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 2	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सप्तम समसत्र

अष्टादश पत्र **[SAN - MJ-18]**

भारतीय अभिलेख

अध्ययन उद्देश्य(Objectives) :

पुरातत्त्व का योगदान विश्व परिदृश्य की तरह भारत में भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। भारतीय परम्परा, संस्कृति और उसका स्वरूप पुरातात्त्विक साक्ष्यों यथा अभिलेखों के रूप में विद्यमान रहता है, जिनके आधार पर इतिहासकार इतिहास का निर्माण करते हैं। इस दृष्टिकोण से यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को संस्कृत में लिखित अभिलेखों के माध्यम से विभिन्न ऐतिहासिक तथ्यों, कालानुक्रम, साहित्यिक तत्त्वों और अन्य महत्वपूर्ण विषय वस्तु से अवगत कराता है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय अभिलेखों के अध्ययन के लिए सक्षम बनाते हुए भारतीय इतिहास के प्रति उनकी जानकारी को समृद्ध करेगा। वे अभिलेखों के माध्यम से सूचना एकत्र करते, उनकी तुलना करते एवं उनकी व्याख्या करते हुए इतिहास के पुनर्निमाण में समर्थ हो पाते हैं। भविष्य में जिन विद्यार्थियों की योजना पुरातत्त्वविज्ञान में अध्ययन की है, उनके लिए यह पाठ्यक्रम विशेष उपयोगी है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम सत्र

अष्टादश पत्र [SAN - MJ-18]

भारतीय अभिलेख

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान(L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}
पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }
उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)
अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. पुरालेखशास्त्र

इकाई 1 : (9 L+ 4 T)

पुरालेखशास्त्र का परिचय एवं अभिलेखों के प्रकार
प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के पुनर्निमाण में भारतीय अभिलेखों का महत्व
प्राचीन भारतीय लिपि का परिचय
अभिलेखों में प्रयुक्त प्रमुख संवत् (कलि संवत्, विक्रमसंवत्, शक संवत्, गुप्त संवत्,)

इकाई 2 : (10 L+3 T)

- मौर्योत्तरकालीन अभिलेख
  रुद्रदामन का गिरनार शिलालेख
  खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख

इकाई 3 : (16 L+ 4 T)

- गुप्तकालीन अभिलेख
  समुद्रगुप्त का प्रयाग स्तम्भ लेख
  चन्द्रगुप्त का मेहरौली लौहस्तम्भ लेख

इकाई 4 : (10 L+ 4 T)

- गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख
  हर्ष का बांसखेडा ताम्रपट्ट अभिलेख
  पुलकेशी द्वितीय का एहोल शिलालेख

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- उत्कीर्णलेखपंचकम् –झा बंधु
- भारतीय अभिलेख – एस.एस. राणा
- भारतीय पुरालिपि–राजबलि पांडेय
- अभिलेख मंजूषा–रणजीत सिंह सैनी
- डी.सी. सरकार–भारतीय पुरालिपि विद्या

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई–4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई–1	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सप्तम समसत्र

नवदश पत्र **[SAN - MJ-19]**

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

वैदिक संस्कृति के प्रधान अंग के रूप में 'कर्मकाण्ड' मनुष्यों की इच्छित कामना, कल्याण व लौकिक सुख–शांति तथा मन में संकल्पित अनेकानेक इच्छाओं की पूर्ति का साधन है और वेद के अंग (वेदचक्षु:) के रूप में 'ज्योतिष' भारतीय पारंपरिक वैज्ञानिक अध्ययन है। मनुष्य के भाग्याधीन जीवन में 'कर्मकाण्ड' तथा 'ज्योतिष' सुखी, निश्चिंत तथा बेहतर जीवनयापन में उसकी सहायता करते हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र मेंउपयोगी विषय के सार्वभौमिक महत्व को समझना है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

- विद्यार्थीगण मनुष्य के दैनन्दिन जीवन में उपयोगी कर्मकाण्डों का परिचय प्राप्त करते हैं, एवं
- लग्न, ग्रह और नक्षत्रों की दशा के माध्यम से मानव जीवन के महत्वपूर्ण संस्कार विवाह एवं आवश्यक कार्यों के मुहूर्त्त के विषय में उपयोगी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

नवदश पत्र [SAN - MJ-19]

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान(L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल(T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

इकाई 1 : (11 L+ 3 T)

- कर्मकाण्ड

  यज्ञोपवीतविधि ,संध्या विधि , प्राणायाम विधि ,पंचमहायज्ञ , तर्पण विधि , नित्य विधि , अग्निस्थापन विधि , स्वस्तिवाचन , गणेशाम्बिका पूजन , देवपूजा संकल्प, पुष्पांजलि , प्रदक्षिणा , विसर्जन , यजमान तिलक एवं आशीर्वाद मंत्र

इकाई 2 : (12 L+ 3 T)

- कर्मकाण्ड

  कलश स्थापन एवं पूजन, षोडशमातृका पूजन ,चतु:षष्टियोगिनी पूजन , नवग्रह पूजन , क्षेत्रपाल पूजन , पंचलोकपाल पूजन , दशदिक्पाल पूजन , दुर्गापूजन विधि , महालक्ष्मी पूजन , देव्यपराधक्षमापन स्तोत्र , शिवमहिम्नस्तोत्र।

इकाई 3 : (10 L+4 T)

- शीघ्रबोध

  विवाहप्रकरणम् (1–62)

इकाई 4 : (12 L+5 T)

- मुहूर्त्तचिन्तामणि:

  वास्तु एवं गृहप्रवेश

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- बृहद् नित्यकर्मपद्धति
- श्री काशीनाथ भट्टाचार्य विरचित 'शीघ्रबोध'–व्याख्याकार डा. रामेश्वर शर्मा मिश्र
- मुहूर्त्तचिंतामणि– डा. सुरेशचन्द्र शास्त्री
- मुहूर्त्तचिंतामणि–पं. कपिलेश्वर शास्त्री

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 4
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 3	द्वादश सप्ताह	इकाई–4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

SAN - MJ-20
कौटिलीय अर्थशास्त्र

SAN - AMJ-1
काव्यशास्त्र, व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

SAN - AMJ-2
दर्शन

SAN - AMJ-3
वेद

अष्टम समसत्र

विंशति पत्र [SAN - MJ-20]

कौटिलीय अर्थशास्त्र

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

अर्थशास्त्र में विवेचित राजनीतिक, आर्थिक, नैयायिक, सामाजिक, वास्तु विषयक व्यावहारिक नीति संबंधी सिद्धांत और क्रिया के समन्वित रूप से विद्यार्थियों का परिचय कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

- अर्थशास्त्र के पाठ्यांशों के अध्येता विद्यार्थी भारत की उस समृद्ध बौद्धिक परंपरा से अवगत होते हैं, जिसमें एक पुस्तक में ही बहुविषयक अध्ययन की अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं।
- समसामयिक प्रतिरक्षा अध्ययन में कूटनीतिक एवं विदेश नीति की समस्याओं के समाधान हेतु कौटिल्य के विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं। प्रथमत: भू–राजनीतिक दृष्टिकोण का परिचय देते कौटिलीय के देशज विचार समुचित अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के स्थापन के संदर्भ में भारतीय सिद्धांतों के सूत्रपात की शब्दावली और दृष्टिकोण ही नहीं प्रदान करते हैं,बल्कि भारतीय शोध छात्रों को उन सूक्ष्मताओं से परिचित कराते हैं, जो अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर विदेशी विमर्श से विलुप्तप्राय हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

विंशति पत्र [SAN - MJ-20]

कौटिलीय अर्थशास्त्र
(विद्या, न्याय, अर्थ और राजनीति)

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}
पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति / संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }
उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)
अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. कौटिलीय अर्थशास्त्र (विद्या,न्याय,अर्थ और राजनीति)

इकाई 1 : (8 L+3 T)

- अर्थशास्त्र और विद्याविषयक विचार
  विनयाधिकारिक : पहला अधिकरण (प्रकरण 1 – 3)

इकाई 2 : (13 L+5 T)

- अर्थशास्त्र और न्याय–व्यवस्था
  धर्मस्थीय : तीसरा अधिकरण
  प्रकरण 56–57 (व्यवहारस्थापना विवाहपदनिबन्धाश्च)

इकाई 3 : (10 L+ 4 T)

- अर्थशास्त्र और अर्थ
  कण्टकशोधन : चौथा अधिकरण–प्रकरण 77 (वैदेहकरक्षणम्)
- अर्थशास्त्र एवं प्रकृतियों के गुण
  मण्डल योनि : छठा अधिकरण–प्रकरण 96 (प्रकृतिसम्पदः)

इकाई 4 : (14 L+ 3 T)

- अर्थशास्त्र और राजनीति
  सातवां अधिकरण: षाडगुण्य–प्रकरण 98–102

अनुशंसित पुस्तकें:–

- कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् –व्याख्याकार वाचस्पति गैरोला

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

प्रथम पत्र	[SAN - AMJ-1]
काव्यशास्त्र, व्याकरण एवं भाषाविज्ञान	
द्वितीय पत्र	[SAN - AMJ-2]
वेद	
तृतीय पत्र	[SAN - AMJ-3]
दर्शन	

अष्टम समसत्र

अग्रसर मुख्य पत्र – 1 प्रथम पत्र [SAN - AMJ-1]

काव्यशास्त्र,व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}
पूर्णांक–100{ मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }
उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)
अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र
2. लघुसिद्धांतकौमुदी
3- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन

इकाई 1 : (8L+ 3 T)

- काव्यशास्त्र परिचय

इकाई 2 : (10 L+ 3 T)

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र
  अरस्तू का काव्यशास्त्र

इकाई 3 : (18L+6 T)

- व्याकरण (लघुसिद्धांतकौमुदी– तद्धित प्रकरण)
  अपत्याधिकार , चातुरार्थिक एवं शैषिक

इकाई 4 : (9 L+ 3 T)

- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन
  संस्कृत ध्वनियाँ एवं स्वर,
  संस्कृत तथा अवेस्ता

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- अरस्तू का काव्यशास्त्र – डा. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- काव्यप्रकाश–आचार्य विश्वेश्वर
- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डा. भोलाशंकर व्यास
- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र –डा. कपिलदेव द्विवेदी
- भाषाविज्ञान की भूमिका–आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा व दीप्ति शर्मा
- भाषाविज्ञान– डा. भोलानाथ तिवारी
- भाषाविज्ञान– डा. शिवबालक द्विवेदी
- तुलनात्मक भाषाविज्ञान– डा. पाण्डुरंग दामोदरगुणे
- सामान्य भाषाविज्ञान– डा. बाबूराम सक्सेना
- भाषाविज्ञान– डा. श्यामसुन्दर दास
- अद्यतन भाषाविज्ञान–पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
- भाषाविज्ञान समीक्षा –हेमदेव शर्मा

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-	
(उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

अष्टम सत्र

अग्रसर मुख्य पत्र – 2 द्वितीय पत्र [SAN - AMJ-2]

वेद

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}
पूर्णांक–100 {मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }
उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)
अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक एवं निरुक्त

इकाई 1 : (10 L+ 4 T)

- ऋग्वेद
  इन्द्र सूक्त (2.12), उषस् सूक्त (3.61),पुरुष सूक्त (10.90)

इकाई 2 : (9 L+ 3 T)

- शुक्लयजुर्वेद
  शिवसंकल्पसूक्त(XXIV 1.6)
- अथर्ववेद
  राष्ट्राभिवर्धनम्

इकाई 3 : (13 L+ 4 T)

- ब्राह्मण एवं आरण्यक
  शतपथ ब्राह्मण (वेदि 1.2.5.1–10)
  तैत्तिरीय आरण्यक पंचमहायज्ञ II.10)

इकाई 4 : (13 L+ 4 T)

- निरुक्त (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- THE NEW VEDIC SEECTION –II - TELANG & CHAUBEY
- यास्कप्रणीतं निरुक्तं– डा. उमाशंकर शर्मा ऋषि
- निरूक्त – आचार्य विश्वेश्वर

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

अष्टम समसत्र

अग्रसर मुख्य पत्र – 3 तृतीय पत्र [SAN - AMJ-3]

दर्शन

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. सांख्यकारिका, वेदान्तसार, तर्कभाषा, पातञ्जलयोगदर्शन

इकाई 1 : **(10 L+ 3 T)**

- ईश्वरकृष्णकृत 'सांख्यकारिका' (25 कारिका पर्यन्त)

इकाई 2 : **(13 L+ 5 T)**

- सदानन्दकृत 'वेदान्तसार'
  अनुबन्धचतुष्ट्य, अध्यारोप, ईश्वर की जगत्कारणता, ईश्वर का जगद्रूपकार्य (सूक्ष्म शरीर की उत्पत्ति एवं स्थूल शरीर की उत्पत्ति)

इकाई 3 : **(11 L+ 3 T)**

- श्रीकेशवमिश्र प्रणीत : 'तर्कभाषा'
  प्रमेयप्रकरणम्

इकाई 4 : **(11 L+ 3 T)**

- पातञ्जलयोगदर्शनम्
  प्रथम साधनपाद (सूत्र संख्या 1–39)
  द्वितीय साधनपाद (सूत्र संख्या 29–32)

अनुशंसित पुस्तकें:–

- श्रीमदीश्वरकृष्णविरचिता गौडपादभाष्यसमन्विता 'साङ्ख्यकारिका'– पं. श्रीज्वालाप्रसाद गौड
- सांख्यकारिका– डा. रमाशंकर त्रिपाठी
- श्रीसदानन्दप्रणीत: वेदान्तसार–श्रीरामशरणत्रिपाठी शास्त्री
- श्रीसदानन्दप्रणीत: वेदान्तसार–गोविन्दाचार्य
- श्रीकेशवमिश्रप्रणीता तर्कभाषा–बदरीनाथ शुक्ल
- तर्कभाषा–गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर
- पातञ्जलयोगदर्शनम्–व्याख्याकार डा. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव
- पातञ्जलयोगदर्शनम्–डा. रमाशंकर त्रिपाठी
- पातञ्जलयोगदर्शनम् – डा. श्रीनारायण मिश्र

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप **'बी'** में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

Syllabus

Of

Minor Paper of Sanskrit

प्रथम समसत्र

[SAN - MN-1A]

आधारभूत संस्कृत व्याकरण

तृतीय समसत्र

[SAN - MN-1B]

वैदिक साहित्य का इतिहास

पंचम समसत्र

[SAN - MN-1C]

गीता में आत्मप्रबंधन

सप्तम समसत्र

[SAN - MN-1D]

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथम समसत्र

[SAN - MN-1A]

आधारभूत संस्कृत व्याकरण

अध्ययन उद्देश्य (Objectives):

वेदाङ्ग के छः अंगो में व्याकरण एक है। एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में संस्कृत का अध्ययन–अध्यापन इस तरह से होना चाहिए कि इसमें विद्यार्थियों का प्रवेश सरलता से हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सर्वप्रथम संस्कृत व्याकरण के उन उपादेय तत्त्वों को जानना जरूरी है, जिससे वे किसी भी संस्कृत रचना को भलीभाँति समझने में सक्षम हो सके।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

संस्कृत व्याकरण का अध्ययन सर्वथा छात्रोपयोगी है।

कहा भी गया है कि

यद्यपि बहु नाधीषे तथापि पठपुत्र व्याकरणम्।
स्वजनो श्वजनो माऽभूतसकलं शकलं सकृत्शकृत्।।

इस रूप में व्याकरण का अध्ययन न केवल संस्कृत भाषा को शुद्ध रूप में जानने–समझने में सहायक होगा, अपितु प्रकारान्तर से इसके समुचित पठन–पाठन से विद्यार्थीगणों में संस्कृत की विशालज्ञान–राशि में विद्यमान भारतीय संस्कृति के प्रतिसम्मान की भावना विकसित हो सकेगी।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथम समसत्र

[SAN - MN-1A]

आधारभूत संस्कृत व्याकरण

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. शब्दरूप, धातुरूप,संस्कृत–हिन्दी अनुवाद,पाणिनीय शिक्षा

इकाई 1 : (8 L+ 3 T)

- शब्दरूप

  शब्दरूप–देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरुत्, आत्मन्, सर्व,तद्, एतद्, यद्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।

इकाई 2 : (7 L+ 3 T)

- धातुरूप

  लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में

  पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हू, दिव्, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव्।

इकाई 3 : (20L+ 6 T)

- अनुवाद

  संस्कृत से हिंदी में अनुवाद (अपठित संस्कृत गद्यांश)

  हिंदी से संस्कृत में अनुवाद (अपठित हिंदी गद्यांश)

इकाई 4 : (10L+ 3 T)

- पाणिनीय शिक्षा

अनुशंसित पुस्तकें:

- संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ? – (उमाकान्त मिश्र शास्त्री)
- रचनानुवादकौमुदी– (कपिलदेव द्विवेदी)
- संस्कृत सहचर– (आचार्य राधामोहन उपाध्याय)
- बृहद् अनुवाद चंद्रिका–चकधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री
- पाणिनीय शिक्षा –विद्यासागर डा. दामोदर महतो
- पाणिनीय शिक्षा –शिवराज आचार्य कौण्डिन्नयायन:

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 30) पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में पाठ्य शब्द रूपों में से किन्हीं तीन शब्द के दो विभक्तियों (कारकों) के तीनों वचनों के रूपों को लिखना अपेक्षित होगा। छ: शब्दरूप पूछे जाएँगे। **(3 x5 = 15)**
- पंचम प्रश्न में पाठ्य धातुओं में से किन्हीं तीन लकार में तीन धातुओं के सभी रूपों को लिखना अपेक्षित होगा। छ: धातुरूप पूछे जाएँगे। **(3 x 5 = 15)**
- षष्ठ प्रश्न में एक अपठित संस्कृत गद्यांश प्रष्टव्य होगा जिसका हिंदी अनुवाद देय होगा। **(15)**
- सप्तम प्रश्न में एक अपठित हिंदी गद्यांश प्रष्टव्य होगा जिसका संस्कृत अनुवाद देय होगा। **(15)**
- अष्टम प्रश्न में पाणिनीय शिक्षा से संबंधित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **(15)**
- नवम प्रश्न में पाणिनीय शिक्षा से संबंधित दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **(15)**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:-
(उत्तीर्णांक– 8) पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए' : ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंक का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

तृतीय समसत्र
[SAN - MN-1B]
वैदिक साहित्य का इतिहास

अध्ययन उद्देश्य (Objectives):

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का वैदिक साहित्य से सामान्य परिचय करवाना है। वेद भारतीय संस्कृति की आत्मा है तथा मानव जाति के लिए प्रकाश स्तंभ है। वेद ही विश्व शांति, विश्व बंधुत्व और विश्व कल्याण के प्रथम उद्घोषक हैं। इसमें ज्ञान और विज्ञान की सभी विधाओं का सूत्र रूप में उल्लेख है, अतएव मनु का कथन है –

- 'सर्वज्ञानमयो हि स:'
- 'वेदोऽखिलो धर्ममूलम्' मनुस्मृति (2.6)

अध्येता वेद रूपी ज्ञान महोदधि में जितनी गहराई तक जाएँगे, उतनी ही बहुमूल्य रत्न प्राप्त करने की संभावना होगी। सर्वोपरि, वेदों से हमारे देश में ऐसे आधारभूत मूल्यों की स्थापना हुई है, जो आज भी सांस्कृतिक एकता के आधार हो सकते हैं।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

वैदिक शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, कार्यक्षमता में वृद्धि ही नहीं होती अपितु भारतीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति भी वे सचेत होत हैं। इससे छात्र–छात्राएँ समृद्ध शिक्षा परंपराओं को आत्मसात करते हैं। जीवन में सक्षम होने के लिए वैदिक और सांस्कृतिक शिक्षा के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता है। वैदिक शिक्षा के सिद्धांतों को शिक्षा में जोड़कर कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को भी साकार किया जा सकेगा।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति(NEP)2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

तृतीय समसत्र

[SAN - MN-1B]

वैदिक साहित्य का इतिहास

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+ आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 **उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)**

अवधि –3 घंटे **अवधि – 1 घंटा**

पाठ्यक्रम–

1. वैदिक साहित्य,वैदिक यज्ञ,वेदाङ्ग

इकाई 1 : **(12 L+ 4 T)**

- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य में अंतर,
  संहिताओं (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) का सामान्य परिचय

इकाई 2 : **(9 L+ 4 T)**

- ब्राह्मण ;आरण्यक एवं उपनिषद् के सामान्य लक्षण और विशेषताएँ

इकाई 3 : **(14 L+ 4 T)**

- वैदिक यज्ञ–
  हविर्याग (अग्निहोत्र, दर्श–पूर्णमास, आग्रयण इष्टि, पशुबन्ध, सौत्रामणि, पितृयज्ञ)
  सोमयाग(अग्निष्टोम, वाजपेय, राजसूय, अश्वमेध)
  पंचमहायज्ञ (ब्रह्म यज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, बलिवैश्वेदेव यज्ञ, अतिथि यज्ञ)

इकाई 4 : **(10 L+ 3 T)**

- वेदाङ्ग का सामान्य परिचय
  शिक्षा ; कल्प ; व्याकरण ; निरूक्त ; छन्द ; ज्योतिष

अनुशंसित पुस्तकें:–

- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डा. कपिलदेव द्विवेदी
- वैदिक साहित्य और संस्कृति – वाचस्पति गैरोला
- वैदिक साहित्य का इतिहास – श्री गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर
- वैदिक साहित्य का इतिहास – जयदेव वेदालंकार
- वैदिक इन्डेक्स – मैकडोनेल और कीथ (रामकुमार राय)
- वैदिक साहित्य का इतिहास – आचार्य शेषराज शर्मा
- वैदिक साहित्य का इतिहास – पां. पारसनाथ द्विवेदी
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा –प्रो. हंसराज अग्रवाल

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित/समनुदेशन/परियोजना/ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। (5 x 2 =10)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप **'बी'** में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

पंचम समसत्र

[SAN - AMJ-1C]

गीता में आत्मप्रबंधन

अध्ययन उद्देश्य (Objectives)–

मानव मस्तिष्क के इतिहास में भारतीय दार्शनिक विचारधारा कभी अव्यवहारिक नहीं हो सकती है। संपूर्ण संसार में बौद्धिक दर्शन की ऐसी कोई भी ऊँचाई नहीं है, जहाँ तक भारतीय दार्शनिक विचारधारा की पहुँच नहीं है, चाहे वह बौद्धों का विलक्षण मनोवैज्ञानिक विश्लेषण हो या शंकर का विस्मय विमुग्धकारी दर्शन। 'गीता के आत्मप्रबंधन' में गीता के उन महत्वपूर्ण श्लोकों का अध्ययन करना है, जिसके माध्यम से मनुष्य दैनन्दिन जीवन में आत्मप्रबंधन करने में सक्षम हो सकता है। सार्वभौमिक ग्रंथ गीता सदा से समस्त मानवजाति के मानसिक द्वंद्वों का निवारण कर उन्हें उचित दिशा निर्देश द्वारा जीवन पथ पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहा है और इस उद्देश्य पूर्ति के लिए यह पाठ्यक्रम सर्वथा उपयुक्त है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF)–

आत्मप्रबंधन हेतु गीता के पाठ्यांशों का अध्ययन कर 'स्थितोऽस्मि गतसन्देह: करिष्ये वचनं तव' के उस स्तर तक पहुंच पाने की संभावना बनती है,

- जब मनुष्य अपने कर्तव्य के लिए जागरुक हो जाता है।
- मनोनिग्रह व इन्द्रिनिग्रह का अभ्यास करते हुए वह मानसिक द्वंद्व से मुक्त हो जाता है।
- गीता के उल्लिखित पाठ्यांशों की सही समझ वस्तुत: आधिभौतिक, आधिदैविक एवं आध्यात्मिक ताप निवारक औषधि के सेवन की तरह है, जिससे अंतत: दैनन्दिन जीवन में परम सुख की प्राप्ति होती है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

पंचम समसत्र

[SAN - MN-1C]

गीता में आत्मप्रबंधन

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}
पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति / संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }
उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)
अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. श्रीमद्भगवद्गीता

इकाई 1 : गीता : संज्ञानात्मक एवं भावात्मक उपकरण (9 L+ 4 T)

- इन्द्रिय, मन, बुद्धि एवं आत्मा का पदानुक्रम (lll.42;XV.7)
- प्रकृति के उत्पाद के रूप में मन (Vll.4)
- त्रिगुण धर्म एवं मन पर उसका प्रभाव (Xlll.5-6; XlV.5-8,11-13;17)

इकाई 2 : गीता : मन का नियंत्रण (10 L+ 3 T)

- संशय एवं आचरण, द्वंद्व का स्वभाव (l.1; l.45; ll.6; lV.16)
- नैमित्तिक तत्त्व – अज्ञान (ll.41), इन्द्रिय (ll.60), मन (ll.67), रजोगुण(lll.36-39; XVl.21), मानसिक दुर्बलता (ll.3; lV.5)

इकाई 3 : गीता : संशय निवारण का साधन (18 L+ 5 T)

- ज्ञान का महत्व (ll.52; lV.38-39)
- बुद्धि की स्पष्टता (XVll . 30-32)
- निर्णय करने की प्रक्रिया (XVlll . 63)
- इन्द्रिय नियंत्रण (ll.59,64)
- कर्तृभाव समर्पण (XVlll.13-16; V.8-9)
- इच्छाहीनता (ll.48; ll.55)

इकाई 4 : गीता : कर्तव्यनिष्ठा के द्वारा आत्म–प्रबंधन (8 L+ 3 T)

- अहंभाव समर्पण (ll.7; ll.47; Vlll.7; lX.27; Xl.55)
- तुच्छ वाद–विवाद का त्याग करना (lV.11; Vll.21; lX.26)
- नैतिक गुणों का ग्रहण (Xll.11; Xll.13-19)

अनुशंसित पुस्तकें:–

गीता में आत्म–प्रबंधन– डा. दीपक कालिया
गीता में आत्म–प्रबंधन– डा. विनोद कुमार
श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य और कर्मयोगशास्त्र –बालगंगाधरतिलक

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियों को लिखना अपेक्षित होगा। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 3	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 2	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सप्तम समसत्र
[SAN - MN-1D]
कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

अध्ययन उद्देश्य (Objectives) :

वैदिक संस्कृति के प्रधान अंग के रूप में 'कर्मकाण्ड' मनुष्यों की इच्छित कामना, कल्याण व लौकिक सुख–शांति तथा मन में संकल्पित अनेकानेक इच्छाओं की पूर्ति का साधन है और वेद के अंग (वेदचक्षु:) के रूप में 'ज्योतिष' भारतीय पारंपरिक वैज्ञानिक अध्ययन है। मनुष्य के भाग्याधीन जीवन में 'कर्मकाण्ड' तथा 'ज्योतिष' सुखी, निश्चिंत तथा बेहतर जीवनयापन में उसकी सहायता करते हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उपयोगी विषय के सार्वभौमिक महत्व के समझना है।

अध्ययन अधिगम परिणाम (LOCF):

- विद्यार्थीगण मनुष्य के दैनन्दिन जीवन मेंउपयोगी कर्मकाण्डों का परिचय प्राप्त करते हैं, एवं
- लग्न, ग्रह और नक्षत्रों की दशा के माध्यम से मानव जीवन के महत्वपूर्ण संस्कार विवाह एवं आवश्यक कार्यों के मुहूर्त्त के विषय में उपयोगी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होते हैं।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में निर्मित चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

सप्तम समसत्र

[SAN - MN-1D]

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष

Credit 4–{15*4=60 घंटे[व्याख्यान (L) 45 घंटे+ट्यूटोरियल (T) 15 घंटे]}

पूर्णांक–100{मुख्य परीक्षा अंक75+आंतरिक परीक्षा अंक25(20 लिखित + 5 उपस्थिति/संपूर्ण कक्षा प्रदर्शन) }

उत्तीर्णांक– 30 उत्तीर्णांक– 10 (8+2=10)

अवधि –3 घंटे अवधि – 1 घंटा

पाठ्यक्रम–

1. कर्मकाण्ड,ज्योतिष

इकाई 1 : (11 L+ 3 T)

- कर्मकाण्ड

  यज्ञोपवीत विधि ,संध्या विधि , प्राणायाम विधि ,पंचमहायज्ञ , तर्पण विधि, नित्य विधि , अग्नि स्थापन विधि , स्वस्तिवाचन , गणेशाम्बिका पूजन , देवपूजा संकल्प, पुष्पांजलि , प्रदक्षिणा , विसर्जन , यजमान तिलक एवं आशीर्वाद मंत्र

इकाई 2 : (12 L+ 3 T)

- कर्मकाण्ड

  कलश स्थापन एवं पूजन, षोडशमातृका पूजन , चतु: षष्टियोगिनी पूजन , नवग्रह पूजन , क्षेत्रपाल पूजन , पंचलोकपाल पूजन , दशदिक्पाल पूजन , दुर्गापूजन विधि , महालक्ष्मी पूजन , देव्यपराधक्षमापन स्तोत्र , शिवमहिम्न स्तोत्र।

इकाई 3 : (10 L+ 3 T)

- शीघ्रबोध

  विवाहप्रकरणम् (1–62)

इकाई 4 : (12 L+ 3 T)

- मुहूर्त्तचिन्तामणि :

  वास्तु एवं गृहप्रवेश

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- बृहद् नित्यकर्मपद्धति
- श्री काशीनाथ भट्टाचार्य विरचित 'शीघ्रबोध'–व्याख्याकार डा. रामेश्वर शर्मा मिश्र
- मुहूर्त्तचिंतामणि– डा. सुरेशचन्द्र शास्त्री
- मुहूर्त्तचिंतामणि– पं. कपिलेश्वर शास्त्री

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक– 30)	पूर्णांक– 75

ग्रुप 'ए': ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। **(5 x 3 =15)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 एवं इकाई–2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 एवं इकाई–4 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(15x 4 = 60)**

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियों को लिखना अपेक्षित होगा। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–4 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

लिखित / समनुदेशन / परियोजना / ट्यूटोरियल आधारित आंतरिक परीक्षा हेतु निर्देश:- (उत्तीर्णांक– 8)	पूर्णांक– 20

ग्रुप 'ए':ग्रुप 'ए' के दोनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **(5 x 2 =10)**

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न मेंसम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रत्येक इकाई से एक यानि कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी': ग्रुप 'बी' में प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों का होगा। **(10 x 1 = 10)**

15 साप्ताहिक (60 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 4
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 4
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 3	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 4
पंचम सप्ताह	इकाई– 2	दशम सप्ताह	इकाई– 3	पंचदश सप्ताह	इकाई– 4

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (**NEP**) 2020 के आलोक में चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

(FYUGP)

MDC

संस्कृत और सामान्य ज्ञान

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथम/द्वितीय/तृतीय समसत्र

MDC

संस्कृत और सामान्य ज्ञान

अध्ययन उद्देश्य(Objectives):

MDC के प्रथम/द्वितीय/तृतीय समसत्र के पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत के सर्वप्रमुख विषयों वेद, संस्कृतसाहित्य एवं भारतीय दर्शन के सामान्य ज्ञान का परिचय देना है।

वेद–वेद ही विश्व शांति, विश्व बंधुत्व और विश्वकल्याण के प्रथम उद्घोषक हैं। इसमें ज्ञान और विज्ञान की सभी विधाओं का सूत्र रूप में उल्लेख है, अतएव मनु का कथन है–'सर्वज्ञानमयोहि स:'। सर्वोपरि, वेदों से हमारे देश में ऐसे आधारभूत मूल्यों की स्थापना हुई है, जो आज भी सांस्कृतिक एकता के आधार हो सकते हैं।

संस्कृत साहित्य–यदि किसी देश का साहित्य उसकी संस्कृति का परिचायक है, तो संस्कृत साहित्य के अध्ययन का उद्देश्य प्रकारान्तर से भारतीय संस्कृति की अन्तरात्मा को समझने का प्रयास है। शास्त्रीय संस्कृत साहित्य की तीनों ही विधाओं गद्य, पद्य एवं नाटकों को पढने का तात्पर्य संस्कृत वाङ्मय के माध्यम से अपने गौरवशाली सांस्कृतिक अतीत से परिचित होना है।

भारतीय दर्शन–संपूर्ण संसार में बौद्धिक दर्शन की ऐसी कोई भी ऊँचाई नहीं है, जहाँ तक भारतीय दार्शनिक विचारधारा की पहुँच नहीं है, चाहे वह बौद्धों का विलक्षण मनोवैज्ञानिक विश्लेषण हो या शंकर का विस्मय विमुग्धकारी दर्शन। पाठ्यक्रम के इकाई–3 में सभी प्रमुख भारतीय दर्शनों की सामान्य जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया गया है, जिससे इस विषय से सर्वथा अनभिज्ञ विद्यार्थीगणों को कुछ ज्ञान प्राप्त हो सके।

अध्ययन अधिगम परिणाम(LOCF):

इकाई 1–वैदिक साहित्य के सामान्य परिचय से विद्यार्थीगण इस तथ्य से अवगत होते हैं कि वैदिक शिक्षा मनुष्य के चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए ही उपयोगी नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति भी व्यक्ति की जागरुकता में वृद्धि होती है।

इकाई 2–संस्कृत साहित्य की तीन सर्वप्रमुख विधाओं पद्य, गद्य एवं नाटक में आदिकवि वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, माघ, भारवि, श्रीहर्ष, भवभूति, बाणभट्ट की प्रज्ञा की उर्वरता से रचित संस्कृत साहित्य वस्तुत: प्राचीन भारत के आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक, व्यावहारिक एवं राजनीतिक जीवन का ज्वलन्त चित्रण है, इसलिए इन काव्यों के अध्ययन के जरिए छात्र–छात्राओं में प्रतिभा, महत्वपूर्ण चिंतन, मनन, रचनात्मकता और विचार का प्रसार होता है।

इकाई 3–प्रमुख भारतीय दर्शनों का अनुशीलन करके छात्रगण समझ पाते हैं सभी दर्शन एक ही उद्देश्य से अर्थात् दुख की चरम निवृत्ति या परमानंद की प्राप्ति के लिए ही प्रवृत होते हैं। जीवन तथा दर्शन इन दोनों का चरम लक्ष्य एक ही है। उस परम तत्त्व की प्राप्ति के लिए 'दर्शन' सैद्धांतिक तथा 'जीवन' व्यावहारिक रूप है।

वैदिक साहित्य, संस्कृत साहित्य एवं प्रमुख भारतीय दर्शनों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करने से विद्यार्थियों में स्नातक उपरान्त होनेवाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में संस्कृत के इन विषयों से संबंधित प्रश्नों को हल करने में सहायता मिलती है।

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के आलोक में चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUGP)

प्रथम/द्वितीय/तृतीय समसत्र

MDC

संस्कृत और सामान्य ज्ञान

Credit 3–{15*3=45 घंटे }

पूर्णांक – {मुख्य परीक्षा अंक 75}

उत्तीर्णांक – 30

अवधि – 3 घंटे

इकाई 1 : (12L+2 T)

- वैदिक साहित्य का सामान्य ज्ञान

  संहिताओं (ऋग्वेद,यजुर्वेद,सामवेद,अथर्ववेद) , ब्राह्मण , आरण्यक , उपनिषद एवं वेदाङ्ग का सामान्य परिचय

इकाई 2 : (12L+2 T)

- संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान

  महाकाव्य, गद्य, पद्य, नाटक का सामान्य परिचय

इकाई 3 : (15L+2 T)

- प्रमुख भारतीय दर्शनों का सामान्य ज्ञान

  चार्वाक्, बौद्ध, जैन, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, योग

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>:–

- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– डा. कपिलदेव द्विवेदी
- वैदिक साहित्य और संस्कृति– वाचस्पति गैरोला
- वैदिक साहित्य का इतिहास– श्री गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर
- वैदिक इन्डेक्स– मैकडोनेल और कीथ (रामकुमार राय)
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास– विन्टरनित्स कृत अनुवादक एवं परिवर्धक सुभद्र झा
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– आचार्य कपिलदेव द्विवेदी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा. ए. बी. कीथ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – श्री चारुचन्द्र शास्त्री
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
- भारतीय दर्शन– चटर्जी एवं दत्त
- भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण– प्रो. संगमलाल पांडेय
- भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा –प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
- भारतीय दर्शन– डा. राधाकृष्ण

प्रश्न संबंधी आवश्यक निर्देश:–

मुख्य परीक्षा हेतु निर्देश:-	(उत्तीर्णांक–30)	पूर्णांक–75

'ए' : ग्रुप 'ए' में तीन प्रश्न होंगें और तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगें। (5 x 3 =15)

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगें। **(1 x 5 = 5)**
- द्वितीय प्रश्न में इकाई– 1 एवं 2 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**
- तृतीय प्रश्न में इकाई–3 से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। **(2.5 x 2 = 5)**

ग्रुप 'बी' : ग्रुप 'बी' में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। (15x 4 = 60)

- चतुर्थ प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 6 महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से तीन टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। **15**
- पंचम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित तीन लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल छ: प्रश्न पूछे जाएँगे। **15**
- षष्ठ प्रश्न में इकाई–1 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- सप्तम प्रश्न में इकाई–2 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- अष्टम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**
- नवम प्रश्न में इकाई–3 पर आधारित एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा। **15**

15 साप्ताहिक (45 घंटे की संभावित) अध्यापन योजना:

प्रथम सप्ताह	इकाई– 1	षष्ठ सप्ताह	इकाई– 2	एकादश सप्ताह	इकाई– 3
द्वितीय सप्ताह	इकाई– 1	सप्तम सप्ताह	इकाई– 2	द्वादश सप्ताह	इकाई– 3
तृतीय सप्ताह	इकाई– 1	अष्टम सप्ताह	इकाई– 2	त्रयोदश सप्ताह	इकाई– 3
चतुर्थ सप्ताह	इकाई– 1	नवम सप्ताह	इकाई– 2	चर्तुदश सप्ताह	इकाई– 3
पंचम सप्ताह	इकाई– 1	दशम सप्ताह	इकाई– 2	पंचदश सप्ताह	इकाई– 3

विशेष:–विषय अध्यापन के क्रम में शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार इस संभावित कार्ययोजना में परिवर्तन संभव है।